मो० तफजूल

उम्र– 39 वर्ष
ग्राम– संदलपुर
प्रखण्ड– अररिया
जिला–अररिया
मो० नं० – 8757804360

दैनिक वेतन भोगी के रुप में इट भट्ठा में करने वाला मो० तफजूल पिता मो० नूह एक गरीब परिवार से सम्बन्ध रखता हैं। यह अच्छी तरह से कहा गया है कि आगे बढने का साहस सपनों को सकार करने में मदद करता हैं। मो० तफजूल इसका एक उदाहरण है। वह गाजियाबाद के एक इट भट्ठा में 1997–1998 के बीच की अवधि में दैनिक मजदूरी का कार्य करता था। बाद में खेतिहर मजदूरी के रुप में काम करने मेरठ चले गये। तफजूल अपने मेरठ प्रवास के दौरान एक सब्जी के खेत में काम करने लगा। काम करते हुए उन्होने सब्जी की खेती की बारिकीया सिखी। तफजूल मेरठ से अपने गाँव लौटने के बाद 10 कट्ठा जमीन लीज पर लेकर सब्जी की खेती प्रारंभ किया। वांछित लाभ होने पर अगले वर्ष तफजूल द्वारा और अधिक भूमि पट्टे पर लेकर सब्जी की खेती में विस्तार किया। सब्जीयों में फूलगोभी, नीबू, केला, टमाटर मिर्च की खेती प्रारंभ किया। यद्धपि सब्जी की खेती तफजूल के लिए फायदेमंद साबित हुई। इस बीच कृषि विज्ञान केन्द्र, अररिया से मछली पालन की तकनीकी पहलूओं की जानकारी प्राप्त किया। हालाकी यह मछली पालन था जो वास्तविक रुप से उसके लिए गेम चेंजर साबित हुआ। कृषि विज्ञान केन्द्र, अररिया ने सब्जी और मछली पालन दोनो की सफलता में महत्वपुर्ण भूमिका निभाई। उन्होनें कृषि विज्ञान केन्द्र, अररिया द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में भाग लेकर अर्जित ज्ञान का उपयोग कर मौसमी सब्जी, जैसे शिमला मिर्च, ब्रोकली, ककड़ी, तारबूज की खेती प्रारंभ किया। तफजूल ने कृषि विज्ञान केन्द्र, अररिया द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर चीतल मछली पालने की तकनीक सीखी। तफजूल ने अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए सब्जी की खेती के साथ मछली पालन भी प्रारंभ किया। मछली पालन में मांगूर, चीतल, कतला, रोहू, कोमन कार्प एवं ग्रास कार्प का पालन कर अपने मुनाफा को और बढाया। आज तफजूल की सालाना आय मछली एवं सब्जी से लगभग 9,00,000/– लाख रुपये है। उन्होने अपने तालाब में दुसरे मछली रुपचंदा एवं पेगेसियस की पालन भी प्रारंभ कर दिया है। कृषि में योगदान के लिए उन्हे क्षेत्रीय किसान मेला बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर से वर्ष 2020 में उत्कृष्ट किसान पुरुस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं।